කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

බාහිර විභාග අංශය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ද්විතීය පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2009

(2010 මැයි / ජූනි)

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී - HIND E 2025

නූතන හින්දී සාහිත්‍ය ඉතිහාසය සහ නූතන හින්දී ගද්‍ය සාහිත්‍ය ග්‍රන්ථ හා උද්ධෘත

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව : 06 යි කාලය : පැය 03 යි

ප්‍රශ්න 05කට පමණක් පිළිතුරු සපයන්න. 01 ප්‍රශ්නය අනිවාර්යයි.

केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य है।

---

01 निम्नलिखित किन्हीं दो गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (20अंक)

(क) सूर्य के हाथ में तलवार नहीं होती। वह रक्त की नदियाँ नहीं बहाता। सूर्य सर्वत्र पृथ्वी पर तेज़ और प्रकाश का वितरण करता है। उसके उदय से चराचर का कल्याण होता है।

(ख) शक्ति का विस्तार, विस्तार की शक्ति। तीनों तरफ से क्षितिज तक पानी ही पानी था, फिर भी सामने का क्षितिज, हिन्द महा सागर का, अपेक्षया अधिक दूर और अधिक गहरा जान पड़ता था। लगता था कि उस ओर दूसरा छोर है ही नहीं। तीनों ओर के क्षितिज को आँखों में समेटता मैं कुछ देर भुला रहा कि मैं मैं हूँ , एक जीवित व्यक्ति, दूर से आया यात्री, एक दर्शक।

(ग) औरत, बुला रही है ! चौक पर ! मैं चौंक पड़ा। युवकों में थोड़ी हलचल बुजुर्गों के चेहरों पर की रहस्यमयी मुस्कान भी मुझसे छिपा नहीं रही। औरत कौन? मेरे चेहरे पर गुस्सा था, वह लड़का सिटपिटाकर भाग गया।

(घ) बहिन को अच्छे अच्छे गहने मिलेंगे, द्वार पर बाजे बजेंगे, मेहमान आएँगे, नाच होगा - यह जानकर प्रसन्न है। और यह भी जानती है कि बहिन सबके गले मिलकर रोएगी, यहाँ से रो-रोकर विदा जाएगी। मैं अकेली रह जाउँगी,- यह जानकर दुखी है। पर यह नहीं जानती कि यह सब किसलिए हो रहा है?, माता जी और पिता जी क्यों बहिन को घर से निकालने को इतने उत्सुक हो रहे हैं? बहिन ने तो किसी को कुछ नहीं कहा, किसी से लड़ाई नहीं की, क्या इसी तरह एक दिन मुझे भी ये लोग निकाल देंगे?

02 द्विवेदीयुगीन साहित्यिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (20अंक)

अथवा

निम्नलिखित साहित्यकारों में से किन्हीं दो की साहित्यिक सेवा का परिचय दीजिए।

(क) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(ख) जयशंकर प्रसाद
(ग) सुमित्रानंदन पंत

03 निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की भावार्थ सहित व्याख्या कीजिए। (20अंक)

(क) ग्रीष्म ऋतु की ज्वाला जीवन मात्र को व्याकूल तो अवश्य करती है, पर कवियों ने इसका नाना प्रकार से सजीव वर्णन किया है। इसलिए इसका भी अपना महत्व है। इसकी दुपहरिया में कृषक तो बैलों को एक ओर बाँधकर वृक्ष की छाया में विश्राम करने लगता है, पर श्रमिकों को चैन कहाँ? रेलवे कुली, राज श्रमिक, पत्थर तोड़नेवाली मज़दूरिन, बढ़ई और लुहार आदि ग्रीष्म की तपती दुपहरिया में पसीना-पसीना होते हुए भी अपने-अपने काम में जुटे रहते हैं। उदरपूर्ति के लिए श्रम नितान्त आवश्यक है, इसलिए वे ग्रीष्मताप से हार मानना नहीं जानते हैं।

බढ़ई -වඩුවා
लुहार -කම්මල්කරුවා
उदरपूर्ति -බඩවියත රැකගැනීම

अथवा

(ख) प्रदूषण का अर्थ है - उस वातावरण का दूषित हो जाना, जिसमें हम रहते हैं और साँस लेते हैं। प्रदूषण आधुनिक मानव सभ्यता के विकास की देन है। वैज्ञानिकों का मानना है कि विश्व में फैलते जा रहे प्रदूषण पर यदि काबू न पाया गया तो अगले कुछ दशकों में यह पृथ्वी किसी प्राणी के रहने योग्य नहीं रहेगी।

04 निर्मला उपन्यास के पठित अंश के आधार पर निर्मला के चरित्र के स्वभाव का विवरण दीजिए।

(20अंक)

05 समुद्रगुप्त पराक्रमांक नाटक के किसी एक चरित्र पर प्रकाश डालिए। (20अंक)

06 भैजू मामा रेखाचित्र में चित्रित भैजू मामा के चरित्र का वर्णन कीजिए। (20अंक)

######